

शोध के लिए सीयूजे और इनोवेंट वाटर सॉल्यूशन के बीच एमओयू

रांची. डैम सेफ्टी, क्लाइमेंट चेंज पर शोध करने के लिए केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) और इनोवेंट वाटर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड रुड़की के बीच गुरुवार को एमओयू हुआ. दोनों संस्थान वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट और रिवर मैनेजमेंट के क्षेत्र में कार्य करेंगे. कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने कहा है कि इस एमओयू से अब शोध कार्य में नयी तकनीक इजाद करने में आसानी होगी. साथ ही सीयूजे के छात्रों को भी लाभ मिलेगा. विद्यार्थियों के इंटर्नशिप व रिसर्च प्रोजेक्ट में कंपनी की तरफ से सहयोग मिलेगा. एमओयू पर कुलपति व प्रो नयन शर्मा, कंपनी के एमडी डॉ धीरज कुमार ने हस्ताक्षर किया. कार्यक्रम में प्रो एसएल हरि कुमार, प्रो अजय कुमार सिंह, प्रो एचपी सिंह, प्रो मनोज कुमार, प्रो सारंग मेधकर, डॉ वीरेंद्र भारती, डॉ पीके पाढी आदि उपस्थित थे.

जल संरक्षण पर सीयूजे व इनोवेंट वाटर सल्यूशन साथ करेंगे काम

जासं, रांची: वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट क्षेत्र में कार्य करने के लिए झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) और इनोवेंट वाटर सल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड रुड़की के बीच एक एमओयू साइन किया गया। बताया गया कि इस करार के हो जाने से डैम सेफ्टी, क्लाइमेट चेंज, वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट व रिवर मैनेजमेंट के क्षेत्र में दोनों संस्थान मिलकर काम करेगा। इससे शोध कार्य में नई तकनीक की खोज करने में आसानी होगी। सीयूजे के छात्रों को भी इसका लाभ मिलेगा और इंटरशिप एवं रिसर्च प्रोजेक्ट में कंपनी बेहतर अवसर प्रदान करेगी। इस दौरान सीयूजे के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास व आइआइटी रुड़की के सेवानिवृत्त प्रोफेसर सह इनोवेंट वाटर सल्यूशन लिमिटेड कंपनी के चीफ एडवाइजर प्रो. नयन शर्मा व कंपनी के एमडी डा. धीरज कुमार ने एमओयू साइन किया। इस



झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय और इनोवेंट वाटर सल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड रुड़की के बीच एमओयू साइन किया गया • जगरण

मौके पर विवि के कुलपति ने बताया कि झारखंड ऐसा राज्य है जहां वर्षभर में औसत 1600 मिमी से से ज्यादा बारिश होती है। मगर फिर भी जल संरक्षण के संसाधनों की कमी के कारण कई इलाकों को पानी की भारी किल्लत से जूझना पड़ता है। वहीं राज्य के वातावरण में क्लाइमेट चेंज का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ऐसे

में ये पहल राज्य और देश के लिए बहुउपयोगी होगी। कुलसचिव प्रो. एसएल हरि कुमार, वाटर इंजीनियरिंग मैनेजमेंट के हेड प्रो. अजय कुमार सिंह, स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. एचपी सिंह, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. सारंग मेधकर, डा. विरेंद्र भारती व डा. पीके पाढ़ी सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।





